

গণপ্রজাতন্ত্রী বাংলাদেশ সরকার  
শেখ হাসিনা সরকার  
জাতীয় সংসদ  
সংসদ ভবন, ঢাকা

সংসদে উপস্থিত সদস্যগণের  
সম্মুখে উপস্থাপিত হইল  
সংসদে উপস্থিত সদস্যগণের  
সম্মুখে উপস্থাপিত হইল

সংসদে উপস্থিত সদস্যগণের  
সম্মুখে উপস্থাপিত হইল  
সংসদে উপস্থিত সদস্যগণের  
সম্মুখে উপস্থাপিত হইল



राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर  
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

निगरानी प्रकरण क्रमांक : 1124/III/2014

जिला छतरपुर

स्थान तथा  
दिनांक

कार्यवाही तथा आदेश

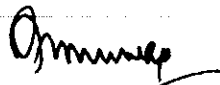
पक्षकारों एवं  
अभिभाषकों  
के हस्ताक्षर

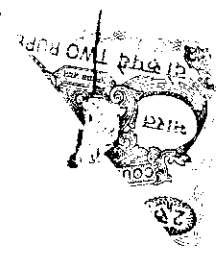
1-5-2014

यह निगरानी तहसीलदार नौगाँव द्वारा प्रकरण क्रमांक 330/अ-68/12-13 में पारित अंतरिम आदेश दिनांक 22-3-14 के विरुद्ध म0प्र0भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।

2/ निगरानी मेमो में उठाये गये बिन्दुओं पर आवेदकगण के अभिभाषक के प्रारंभिक तर्क सुने तथा प्रस्तुत अभिलेख का अवलोकन किया गया।

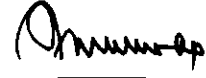
3/ आवेदकगण के अभिभाषक के प्रारंभिक तर्कों पर विचार करने एवं उपलब्ध अभिलेख के अवलोकन से पाया गया कि ग्राम बारबई स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 151/1/1 पर रघुनाथ सिंह पुत्र कल्याण सिंह, लक्ष्मणसिंह पुत्र शिवचरण कुशवाहा, अजयपालसिंह पुत्र बाबूसिंह द्वारा दुवारा अतिक्रमण कर लिया है एवं सर्वे नंबर 151/1/1 की भूमि पर रघुनाथ सिंह पुत्र कल्याण सिंह निवासी बारबई ने गेहूँ की फसल बोकर तथा लक्ष्मण सिंह पुत्र शिवचरण कुशवाहा ने जौ की फसल बोकर अतिक्रमण किया है, जबकि तहसील न्यायालय में इन्हीं के विरुद्ध पूर्व से अतिक्रमण का प्रकरण विचाराधीन है। तहसीलदार द्वारा अतिक्रमण कर फसल बोये जाने से निगरानाधीन प्रकरण में फसल कुर्की के आदेश दिये थे किन्तु यह आदेश पक्षकारों को सुनवाई का अवसर दिये बिना एकपक्षीय दिये जाने की चूक के कारण न्यायिक दृष्टिकोण

  
1.5.14



से सुनवाई एवं बचाव का अवसर देने के उद्देश्य से फसल कुर्की वावत् दिये गये आदेश को आगामी पेशी तक स्थगित किया है जो 5-4-13 थी। दिनांक 5-4-13 की तिथि निकल चुकी है जिसके कारण विचाराधीन निगरानी अप्रचलन योग्य हो गई है।

4/ वैसे भी तहसीलदार के आदेश पर गुणदोष पर भी विचार किया जाय, तहसीलदार द्वारा एकपक्षीय एवं सुनवाई का अवसर दिये बिना आदेश पारित होने के कारण नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत मानकर अंतरिम आदेश दिनांक 24-3-14 से तदाशय का निर्णय लिया है जिसमें किसी प्रकार का दोष नजर नहीं आता है। अतएव निगरानी सारहीन पाये जाने से अमान्य की जाती है। पक्षकार टीप करें। अधीनस्थ न्यायालय को आदेश की प्रति भेजकर प्रकरण रिकार्ड रूम में जमा करें।

  
सदस्य